कोटद्वार, रविवार
2 नवम्बर 2025
वर्ष: 47
अंक: 171 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से टकराकर छह गोवंश पशुओं की मौत, एक घायल

रुद्रपुर। शनिवार सुबह छतरपुर रेलवे फाटक के पास ट्रेन से टकराकर छह गोवंश पशुओं की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सुबह करीब 9 बजकर 10 मिनट पर लालकुआं–मुरादाबाद पैसेंजर ट्रेन संख्या 55302 के फाटक संख्या 909 बी से गुजरते समय हुआ। जानकारी के अनुसार, लालकुआं से मुरादाबाद जा रही ट्रेन के सामने अचानक गायों का झुंड आ गया। ट्रेन की रफ्तार लगभग 70 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जिससे चालक के लिए ट्रेन रोकना संभव नहीं हुआ और झुंड सीधे ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में छह गायों की मौके पर मौत हो गई और एक घायल हो गई। सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक सुशील कुमार मिश्रा, सीनियर सेक्शन इंजीनियर संतोष कुमार और जीआरपी के सब इंस्पेक्टर संतोष मीना टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे अधिकारियों ने ट्रैक से मृत पशुओं को हटवाकर लाइन बहाल कराई। ट्रेन लगभग 10 मिनट रुकने के बाद अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गई। वहीं हादसे के चलते रेलवे संचालन करीब दो घंटे प्रभावित रहा। स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (15036) को सुबह 9:48 बजे लालकुआं स्टेशन पर रोकना पड़ा। यह ट्रेन लगभग दो घंटे बाद 12:22 बजे रुद्रपुर पहुंची। वहीं शताब्दी एक्सप्रेस (12040) को भी रुद्रपुर स्टेशन पर सुबह 10:25 बजे रोककर लगभग 12 बजे रवाना किया गया। इस दौरान यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। गोरक्षक दल ने किया मृत पशुओं का अंतिम संस्कार हादसे की जानकारी मिलते ही गोरक्षक दल के सदस्य मौके पर पहुंचे और मृत गायों को दफनाया। घायल गोवंश पशु को उपचार के लिए पशु अस्पताल भेजा गया। गोरक्षक दल के जिलाध्यक्ष विराट आर्या, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष ममता और पंतनगर मंडल अध्यक्ष धीरज बंसल ने टीम के साथ जेसीबी मशीन की मदद से गड्ढा खोदकर मृत गायों को दफनाया।

दिनेशपुर थाने में तैनात हेड कांस्टेबल की संदिग्ध हालात में मौत

रुद्रपुर। दिनेशपुर थाने में तैनात हेड कांस्टेबल शनिवार सुबह अचेत अवस्था में मिले। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2001 बैच के सिपाही पिथौरागढ़ निवासी 42 वर्षीय त्रिलोक राम पुत्र स्व. गोपाल राम दिनेशपुर थाने में बतौर हेड मुहर्रिर तैनात थे। वह जयनगर में पत्नी ज्योति, 16 वर्षीय पुत्री खुशी और 13 वर्षीय पुत्र आयुष के साथ रहते थे। शुक्रवार को ड्यूटी समाप्त कर त्रिलोक राम बैरक में सो गए थे। सुबह जब साथी पुलिसकर्मी उन्हें जगाने पहुंचे तो वे अचेत अवस्था में मिले। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल रुद्रपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत से थाना परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस लाइन में उन्हें पूरे सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई। बाद में परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार किया।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, चले लाठी–डंडे

काशीपुर। कुंडा थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में लाठी–डंडे चले। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। ग्राम कुंडा निवासी मोहब्बत अली पुत्र मुस्तकीम ने थाना पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 29 अक्तूबर को उसकी पत्नी निशा और राबिया पत्नी हैदर अली के बीच कहासुनी हो रही थी। बीच–बचाव करने पहुंचे शहजादी पत्नी मुस्तकीम और अजीम पुत्र यामीन को राबिया ने अपने भांजों, बहनोई शेर अली, उमर, अपने पुत्र आरिफ और शमशेर के बेटे को बुला लिया। आरोप है कि सभी आरोपी मोहब्बत अली के घर पहुंचकर गाली–गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। जिसमें शहजादी और अजीम को गंभीर चोटें आई। वहीं दूसरे पक्ष के आदिल पुत्र हैदर अली निवासी ग्राम कुंडा थाना पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसी दिन जब वह कॉलेज से लौट रहा था, तब नूरा पुत्र मुस्तकीम, मोसिम पुत्र मोहब्बत अली, रियाज, अजीम, निजामुद्दीन पुत्र यामीन, कासिम पुत्र मोहब्बत अली, हनीसा पत्नी मोहब्बत अली, मुस्कान पत्नी मोसिम व अक्षा पुत्री मोहब्बत अली सहित कई लोगों ने उसके घर में घुसकर उसको माता व परिवारजनों पर लाठी–डंडों और लोहे की राड से हमला कर दिया।

लोकपर्व इगास पर रुद्रप्रयाग के आपदा प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया आपदा प्रभावित क्षेत्र भौंर का स्थलीय निरीक्षण, दी पांच-पांच लाख की आर्थिक सहायता

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोकपर्व इगास के अवसर पर शनिवार को जनपद रुद्रप्रयाग के तहसील बसुकेदार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भौंर पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में आई आपदा से प्रभावित परिवारों से भेंटवार्ता की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों की स्थलीय समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने आपदा के दौरान जान-माल की क्षति उठाने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक कुलदीप सिंह नेगी वन श्रमिक एवं सते सिंह के परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में पांच-पांच लाख रुपये के चेक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं राहत कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा किसी भी पीड़ित को अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम भौंर में आपदा प्रभावितों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनके अनुभवों और समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित परिवारों को समयबद्ध राहत सहायता प्रदान की जाए और पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्र में सड़क, पेयजल, बिजली, आवास, संचार व्यवस्था से जुड़ी सभी क्षतिग्रस्त संरचनाओं का त्वरित पुनर्निर्माण किया गया है ताकि लोगों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर विधायक रुद्रप्रयाग भरत चौधरी, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध घिल्डियाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, तहसील प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, पेयजल निगम सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की स्थाई हेलीपैड बनाने सहित पांच घोषणाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावित इस क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थितियों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु इस क्षेत्र में स्थाई हेलीपैड निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्रामीणों की मांग पर ग्राम भौंर में आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने शीघ्र ही इस ग्राम तक मोटर सड़क निर्माण करने, जिससे क्षेत्र में दोपहिया वाहन की आवाजाही हो सके इस हेतु एक करोड़ रुपए की धनराशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने छेनागाड़ में आपदा के दौरान जिन लोगों ने अपने आवास खोए है उनके विस्थापन करने की योजना बनाने हेतु निर्देश दिए तथा जिन लोगों के वाहन आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुए है उनको भी मुआवजा देने की बात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत विशेष प्रावधान किए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि कठिन समय में धैर्य बनाए रखें और सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मुख्यमंत्री ने प्रभावितों के साथ किया भोजन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावित परिवारों के साथ मध्यान्ह भोजन भी किया और उनके साथ समय व्यतीत करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड एक आपदा-संवेदनशील राज्य है और इसी कारण सरकार ने आपदा प्रबंधन को सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राहत कार्यों में पारदर्शिता, तत्परता एवं संवेदनशीलता बरती जाए।

फिर इतिहास रचने को तैयार इसरो...

लॉन्च करेगा सबसे भारी 'बाहुबली' रॉकेट

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) रविवार को देश के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस–03 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारतीय धरती से प्रक्षेपित होने वाला और जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर आर्बिट (जीटीओ) में स्थापित होने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। यह उपग्रह देश के सबसे शक्तिशाली राकेट लांच व्हीकल मार्क3– एम5 (एलवीएम3–एम5) के जरिये शाम 5.26 बजे प्रक्षेपित किया जाएगा।

नौसेना के लिए कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

बहरहाल, सीएमएस–03 भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। यह उपग्रह नौसेना के लिए कनेक्टिविटी को काफी बढ़ावा देगा। यह उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ भी प्रदान करेगा, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक डिजिटल पहुंच में सुधार होगा। इससे नागरिक एजेंसियों को मदद मिलेगी और रणनीतिक अनुप्रयोगों में सुधार होगा। इसरो ने शनिवार को कहा कि रॉकेट को पूरी तरह से जोड़ दिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा प्रक्षेपण–पूर्व कार्यों के लिए इसे 26 अक्टूबर को ही लांच पैड पर ले जाया गया है। 43.5 मीटर लंबा यह राकेट अपने शक्तिशाली क्रायोजेनिक चरण के साथ 4,000 किलोग्राम वजन वाले जीटीओ पेलोड और 8,000 किलोग्राम वजन वाले लो अर्थ आर्बिट पेलोड को अंतरिक्ष में ले जाने में सक्षम है।

जेएंडके को छोड़कर भारत में 2013 के बाद नहीं हुआ कोई बड़ा आतंकी हमला

देश की सुरक्षा स्थिति पर गरजे -अजीत डोभाल

नई दिल्ली ,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान में देश की सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2013 के बाद से जम्मू–कश्मीर को छोड़कर देश के किसी भी हिस्से में आतंकी हमला नहीं हुआ है। अजीत डोभाल ने कहा कि तथ्य स्पष्ट हैं और इन पर कोई विवाद नहीं हो सकता। भारत ने आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2005 को देश में एक बड़ी आतंकी घटना हुई थी और उसके बाद 2013 में आखिरी बार देश के अंदरूनी क्षेत्रों में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद जम्मू–कश्मीर को छोड़कर पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है।

एनएसए ने बताया कि भले ही दुश्मन ताकतें सक्रिय रहीं, लेकिन भारत की सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता के कारण देश के भीतरी हिस्सों में कोई बड़ी घटना नहीं हुई। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 2014 के बाद से वामपंथी उग्रवाद में भारी कमी आई है। डोभाल ने कहा, 2014 की तुलना में वामपंथी उग्रवाद अब 11 प्रतिशत से भी कम क्षेत्रों में सिमट गया है। जिन जिलों को पहले उग्रवाद प्रभावित घोषित किया गया था, उनमें से अधिकांश को अब सुरक्षित घोषित किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि भारत अब राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम हो गया है। सिर्फ यह कहना पर्याप्त नहीं है कि हमने सुरक्षा उपाय किए हैं, बल्कि यह भी जरूरी है कि हर भारतीय खुद को आंतरिक और बाहरी दोनों ही खतरों से सुरक्षित महसूस करे, डोभाल ने कहा।

एनएसए ने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के उत्थान और महिलाओं की सुरक्षा पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, वंचित, कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों की देखभाल और उन्हें सशक्त बनाना आवश्यक है।

भारत ने महिलाओं के स्वास्थ्य में बनाए तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली ,केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को अपने 'एक्स' सोशल मीडिया हैंडल पर बड़ी खुशखबरी साझा की है। भारत ने महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए चलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियान में तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किए हैं। यह उपलब्धि देश की महिलाओं और बच्चों की सेहत सुधारने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अभियान का नाम है– स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान। इसे पोषण माह के साथ जोड़कर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलाया गया। इसका मुख्य मकसद महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण को बेहतर बनाना था। साथ ही बीमारियों की जल्दी पहचान करना, जरूरी इलाज उपलब्ध कराना और परिवारों को मजबूत बनाना था। इस अभियान के तहत पूरे देश के सभी जिलों में 19.7 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 11 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए। यहां महिलाओं की जांच, दवाइयां, पोषण सलाह और अन्य सेवाएं मुफ्त दी गईं।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भीषण भगदड़

9 श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

श्रीकाकुलम , आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। काशी बुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में कार्तिक मास की एकादशी के पावन अवसर पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी, इसी दौरान मची भगदड़ में कम से कम 9 श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई घायलों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ का दबाव बेतहाशा बढ़ गया। एकादशी होने के कारण सुबह से ही मंदिर में हजारों श्रद्धालु मौजूद थे। अचानक हुई धक्का–मुक्की से लोगों में अफरा–तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। इस दौरान कई लोग नीचे गिर पड़े और भीड़ उन्हें कुचलती हुई आगे निकल गई।

चश्मदीदों का कहना है कि सुबह से ही मंदिर में भीड़ काफी बढ़ गई थी और श्रद्धालुओं की संख्या के मुकाबले पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण हालात बेकाबू हो गए। जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन ने स्थिति पर कड़ी नजर रखी हुई है और हालात पर काबू पाने के लिए मंदिर परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि भीड़ नियंत्रण में चूक कहां हुई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति दौरे को लेकर यातायात प्लान जारी....

हाईवे पर भारी वाहनों का आगमन रहेगा बंद

हरिद्वार। राज्य स्थापना दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ रही हैं। 2 नवंबर को वे हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में योग गुरु स्वामी रामदेव के कॉलेज के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम को देखते हुए हरिद्वार पुलिस ने विस्तृत ट्रैफिक प्लान जारी किया है, ताकि शहर में जाम या असुविधा की स्थिति न बने। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि निर्धारित रूट प्लान का पालन करें।

ट्रैफिक पुलिस का रूट प्लान

–सुबह 6:00 बजे से लेकर कार्यक्रम समाप्ति तक हाईवे पर भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

–पतंजलि विश्वविद्यालय मेन गेट से अंदर किसी भी वाहन का प्रवेश नहीं होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के रविवार को आगमन को देखते हुए हरिद्वार पुलिस ने पूरे शहर में यातायात व्यवस्था सख्त कर दी है। वीवीआईपी दौरे के दौरान अव्यवस्था न हो इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने यातायात प्लान जारी किया है। इस दौरान सुबह छह बजे से लेकर कार्यक्रम की समाप्ति तक हाईवे पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि कार्यक्रम के दिन पतंजलि विश्वविद्यालय के मेन गेट से अंदर परिसर तक किसी भी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। बॉय्ज़ मैस बैरियर से कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाले वाहनों पर भी रोक रहेगी। कार्यक्रम में पहुंचने वाले वीआईपी, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के वाहनों की पार्किंग आचार्यकुलम में की जाएगी जबकि आम जनता और अन्य वाहनों के लिए फ्लाईओवर के नीचे व फेज–1 क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

इस तरह होगी यातायात डायवर्जन की व्यवस्था

–दिल्ली से आने वाले वाहन नगला इमरती से लक्सरझकनखल मार्ग होते हुए हरिद्वार जाएंगे।

–रुड़की से आने वाले वाहन पिरान कलियरझधनौरी मार्ग से हरिद्वार पहुंचेंगे।

–हरिद्वार से दिल्ली जाने वाले वाहन पतंजलि फ्लाईओवर की सर्विस लेन से होकर जाएंगे।

सऊदी अरब में 26 साल के भारतीय युवक की मौत

नई दिल्ली ,झारखंड के गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड निवासी 26 वर्षीय विजय कुमार महतो की सऊदी अरब में हुई क्रॉस फायरिंग में मौत के बाद अब उनका शव जल्द भारत लाया जा सकता है।

झारखंड सरकार के श्रम विभाग ने इस दिशा में प्रक्रिया शुरू कर दी है और जेद्दा स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया गया है।

फायरिंग में फंसे थे विजय महतो

16 अक्टूबर को जेद्दा में पुलिस और एक जबरन वसूली करने वाले गिरोह के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें विजय महतो की गोली लगने से मौत हो गई। वह पिछले नौ महीने से सऊदी अरब की एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। श्रम विभाग के माइग्रेंट कंट्रोल सेल की प्रभारी अधिकारी शिखा लाकड़ा ने बताया कि गिरिडीह से मिली सूचना के बाद विभाग ने तत्काल भारतीय दूतावास से संपर्क किया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जीजा–साले की दर्दनाक मौत

रुड़की। हरिद्वार जिले के बुग्गावाला थाना क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दरअसल यहां पर एक लोडर वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे में बाइक पर सवार जीजा–साले की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा होते ही लोडर वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और चालक की तलाश शुरू कर दी।

घटना 31 अक्टूबर शुक्रवार शाम उस समय हुई, जब सचिन पुत्र वेदपाल निवासी ग्राम टांडा, मानसिंह थाना बिहारीगढ़ सहारनपुर उत्तर प्रदेश, अपने साले काका निवासी ग्राम अन्नेकी जनपद हरिद्वार के साथ बाइक पर सवार होकर अन्नेकी गांव जा रहा था, जैसे ही उनकी बाइक बुग्गावाला थाना क्षेत्र के तेलपुरा गांव के पास पहुंची तो इसी दौरान सामने से आ रहे एक लोडर वाहन (डीसीएम) ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और घटना में दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया है कि हादसा होने के बाद वाहन चालक लोडर को छोड़कर मौके से फरार हो गया। उधर हादसा होते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। हालांकि इस दौरान सड़क पर लंबा जाम लग गया, इसी बीच किसी ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी, सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की। इसके बाद पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेजा। वाहन संख्या के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की बच्चों के साथ दिल की बात, दिखा अलग स्नेह

रायपुर ,छत्तीसगढ़ दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान, उन्होंने 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत दिल की बीमारी से जूझने वाले और सफल इलाज करा चुके बच्चों से मुलाकात की। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान श्री सत्य साईं बाबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने हृदय रोग से स्वस्थ हुए बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया और 'दिल की बात' कार्यक्रम के दौरान उनसे संवाद किया। अब तक अस्पताल में 2500 बच्चों का सफल इलाज हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। पीएम मोदी भी प्रसन्न थे और बच्चों के साथ उनका एक अलग स्नेह नजर आया। इसके कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर में ब्रह्माकुमारी के 'शांति शिखर' का उद्घाटन किया, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है। आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ ही झारखंड और उत्तराखंड के भी 25 वर्ष पूरे हुए हैं। आज देश के और भी कई राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। मैं इन सभी राज्यों के निवासियों को स्थापना दिवस की बहुत–बहुत बधाई देता हूं। अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं।

कोटा में स्कूल वैन और एसयूवी की टक्कर में दो बच्चों की मौत, 10 से अधिक घायल

कोटा ,राजस्थान के कोटा जिले में शनिवार सुबह स्कूल वैन और एसयूवी की आमने–सामने की टक्कर में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 10 से ज्यादा घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इटावा थाना क्षेत्र में 132 केवी ग्रिड स्टेशन के पास यह दुर्घटना तब हुई, जब स्कूल वैन का एक टायर अचानक फट गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा। वैन विपरीत लेन में जा घुसी और सामने से आ रही एक एसयूवी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन पलट गए और एसयूवी सड़क से लगभग 20 फीट दूर जा गिरी। वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और स्कूल बैग व किताबें सड़क किनारे बिखर गईं।

महाराष्ट्र के 12 जिलों में येलो अलर्ट, मुंबई–ठाणे में सतर्क रहें : आईएमडी

मुंबई ,भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट शनिवार सुबह सात बजे जारी किया गया। मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की उम्मीद है, जिसके चलते लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आईएमडी के अनुसार, मौसम में नमी बढ़ने से हल्की बारिश हो सकती है। यह चेतावनी मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, रायगढ़, नंदुरबार, धुले, जलगांव, पुणे, नासिक, सतारा, सांगली और कोल्हापुर जिलों के लिए लागू है। विशेषज्ञों का कहना है कि अरब सागर के ऊपर बने निम्न दबाव क्षेत्र का असर अभी भी महाराष्ट्र पर पड़ रहा है, जिससे दक्षिण–पश्चिमी हवाओं के साथ नमी लाने वाली हवाएं सक्रिय हैं। हालांकि, बारिश हल्की रहेगी, लेकिन इससे सड़कों पर फिसलन और छोटे–मोटे जलभराव की आशंका है। मुंबई में शनिवार को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। हवा की गति 10–15 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी, जो मुख्य रूप से दक्षिण–पूर्वी दिशा से चलेगी। आईएमडी ने लोगों को बरसाती मौसम में सावधानियां बरतने का निर्देश दिया है। इसमें बिजली के उपकरणों से दूर रहना, फिसलन भरी सड़कों पर वाहन धीरे चलाना, बाढ़ प्रभावित इलाकों से बचना और पानी से भरे गड्ढों के पास न जाना शामिल है। अगर तेज हवा या बिजली चमकने लगे, तो तुरंत घर के अंदर शरण लें।

भारतीय रेल झमेले में

अजय दीक्षित

देश में 2025 आते आते 145 करोड़ आबादी चलते यातायात संसाधनों का ये हाल होगा शायद ही किसी ने सोचा होगा । इस बात की गम्भीरता इससे समझिए कि दीपावली पर भारतीय रेलवे ने विशेष रूप से 12000 रेलगाड़ियां चलाई हैं ताकि लोग अपने घरों पर पहुंचकर दीपावली मना सके। केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने प्रतिदिन नई दिल्ली स्टेशन पहुंचकर खुद पूरे रेल विभाग का नेतृत्व किया है। बताया जाता है कि रेल मंत्री ने अस्थाई रूप से निवास भी रेलवे स्टेशन के विश्राम गृह में कर लिया है और यह सिलसिला अभी तीन दिन और चलेगा । उल्लेखनीय है कि 18 अक्टूबर से प्रतिदिन पांच करोड़ यात्री

देश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर आ जा रहे हैं। जिसमें बिहार जाने वाली ट्रेनों में तो पैर रखने की जगह नहीं है।

ब्रिटिश राज्य में भारत यात्री रेल गाड़ी 1858 यानी अब से150 वर्ष से पहले शुरू हुई थी।1905 आते आते ब्रिटिश ने 45000 किलो मीटर रेल लाइन स्थापित कर दी थी।

आजादी के समय यह लगभग एक लाख किलो मीटर के आसपास थी तत्कालीन समय में पाकिस्तान,बांग्लादेश भी शामिल था। आजाद भारत को 67000 किलोमीटर रेलवे मिला।अब यह संख्या 140000 किलोमीटर है बताया जाता है कि पूरे भारत में आठ जोन में बटा रेलवे 2500 से अधिक छोटे बड़े स्टेशन हैं। रेलवे के पास 289000 मॉल बाहक कोच हैं और 75000 से अधिक यात्री कोच हैं।13 लाख कर्मचारी वाला भारतीय रेल विश्व का सातवां सबसे बड़ा विभाग है।

लेकिन आबादी विस्फोट ने इन सुविधाओं को भी नाप कर रख दिया है। नई दिल्ली स्टेशन पर एक दिन में लाखों यात्रियों का आवागमन है ।आम तौर पर प्रतिदिन पूरे देश में ढाई करोड़ लोग सफर करते हैं। मॉल ढुलाई और यात्री किराए से प्रतिवर्ष 2.65 लाख करोड़ रुपए की आय होती है जबकि शुद्ध मुनाफा 3250 करोड़ होता है क्योंकि रेल परियोजना,पर खर्च किया जाता है। भारतीय रेल तीन प्रकार की है ब्रॉड गेज, मीटर गेज, नैरो गेज। अभी रेल वे ने देश सभी स्टेशनों का नवीनीकरण किया है जिसमें भोपाल का कमलापति रेलवे स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर विकास किया है।अब चेन्नई, कोलकाता, मुंबई सीएसटी, सियालदाह स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर विकास किया जा रहा है।

दिल्ली चेन्नई की तीसरी लाइन स्थापित की जा रही है।

जबकि दिल्ली मुंबई बायां अहमदाबाद, सूरत, बडौदा,को चौथी लाइन भी विकसित किया गया है।

देश में 200 से अधिक बंदे भारत, ट्रेन चलाई जा रही है ।

रेल ये प्रतिदिन 12000 से अधिक यात्री ट्रेन चला रहा है ।

एक ट्रेन में 24 से 26 बोगी होती है। अधिकतर रेलगाड़ियों में पेंट्री कार होती हैं। जिसमें यात्रियों को ताजा बना हुआ खाना 80 रुपए में सप्लाई किया जाता है ।

भारत का रेल विभाग सबसे बड़ा महकमा है। इसको एक कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, बोर्ड अध्यक्ष, सदस्य, रेलवे जोन में

सीजीएम, तकनीकी मुख्य अभियंता,सहायक, कार्यपालन यंत्री, अंत में सेक्शन ऑफिसर होता है जो नियमित तर पर ट्रैक चेक करता है। बोर्ड अध्यक्ष, सदस्य, भारतीय अभियांत्रिकी सेवा के होते हैं।

भारतीय रेल ब्रॉड गेज का 98.36 भाग यानी 70000 किलोमीटर पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है।

बाकी 70000 रेल लाइन मीटर गेज है ।उसे एक बार ब्रॉड गेज में परिवर्तन के बाद इलेक्ट्रिफिकेशन किया जा सकता है।एक तरह से देखा जाय तो रेल वे ने उल्लेखनीय प्रगति की है 75 वर्ष में हाल दो दशकों में 25000 किलोमीटर रेलवे का विस्तार हुआ है लेकिन देश की आबादी की बढ़ोत्तरी की तुलना में कम है।अभी भी कई क्षेत्रों तक रेल वे का विस्तार होना है।

जैसे जैसे व्यक्ति की आय बढ़ी है तो उसका देसा टन भी बढ़ा है और लोग रोजगार के लिए महा नगरों की ओर जाते है ।

दीपावली एक भारत का सबसे बड़ा त्योहार है और ऐसे समय में आवागमन 150 फीसदी तक बढ़ता है। अचानक आए इस टास्क से रेलवे को क्षमता जवाब देने लगती है फिरवी केंदीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बधाई के पात्र हैं।

भाजपा ने भारतीय राजनीति में नेतृत्व के पहलू को कैसे पुर्नपरिभाषित किया

हरदीप सिंह पुरी

आजाद भारत के इतिहास में राजनीति ज्यादातर समय हक की एक ऐसी भावना से प्रभावित रही, जिसने विरासत और वैधता के बीच घालमेल किया। एक परिवार और एक पार्टी को यह लगने लगा कि वे शासन करने के लिए ही पैदा हुए हैं। गुजरते वक्त के साथ, इस मानसिकता ने संस्थाओं को खोखला कर दिया और पीढियों को राजनीतिक विशेषाधिकार को जन्मसिद्ध अधिकार मानने के लिए प्रेरित किया। इस धारणा को अब योग्यता, जवाबदेही और प्रदर्शन पर आधारित नई राजनीतिक नैतिकता द्वारा चुनौती दी जा रही है।

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित वन नेशन, फ्यू फैमिलीज शीर्षक लेख में भारत में वंशवादी राजनीति के जारी रहने को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया है। यह लेख जिस मुद्दे को उजागर करता है वह वास्तविक तो है, लेकिन उसकी व्याख्या अधूरी है। वंशवाद भाजपा समेत सभी दलों में मौजूद है। फिर भी, भाजपा की एक खासियत यह है कि वहां पारिवारिक पृष्ठभूमि अपने–आप नेतृत्व में तब्दील नहीं होती। यह एक ऐसी पार्टी है जहां अवसर अर्जित करना जरूरी होता है और जहां किसी व्यक्ति का उत्थान उसके काम, प्रतिबद्धता एवं जनता के विश्वास पर निर्भर करता है, न कि वंश पर। भाजपा में, एक पारिवारिक पहचान एक दरवाजा तो खोल सकता है, लेकिन उस दरवाजे को हमेशा के लिए खुला नहीं रख सकता।

यह एक मौलिक अंतर है। राजनीतिक रिश्तेदारी अपने आप में कोई समस्या नहीं है। लेकिन वंशानुगत नियंत्रण एक समस्या है। जब नेतृत्व एक ही परिवार की मिल्कियत बन जाए, जब आंतरिक बहस की जगह रक्त संबंधों के प्रति निष्ठा ले ले, तो लोकतंत्र मुरझा जाता है। राजनीतिक संस्कृतियों के बीच का यह अंतर काफी गहरा है। वर्ष 2000 से, भारतीय जनता पार्टी के आठ राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए हैं– बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णमूर्ति, वेंकैया नायडू, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जे.पी. नड्डा। ये सभी अलग–अलग क्षेत्रों एवं पृष्ठभूमि से आए हैं और इनमें से प्रत्येक संगठनात्मक कार्य के अनुशासन के रास्ते आगे बढ़े हैं। इसी अवधि के दौरान, कांग्रेस के मात्र तीन अध्यक्ष ही हुए हैं, जिनमें से दो गांधी परिवार से हैं। सोनिया गांधी उन्नीस वर्षों तक इस पद पर रहीं और आज भी पार्टी में इस परिवार का निर्णय ही अंतिम होता है।

इंडियन एक्सप्रेस का विश्लेषण, इन अंतरों को कम करके मौलिक रूप से भिन्न राजनीतिक हकीकतों को एक जैसा बना देता है। आकस्मिक रिश्तेदारी और संस्थागत कब्जे के बीच अंतर किए बिना ही, यह विश्लेषण राजनीति में रिश्तेदारों वाले विधायकों की संख्या की गिनती करता है। भाजपा के 2,078 विधायकों में से 84 राजनीतिक परिवारों से आते हैं, जो लगभग चार प्रतिशत है। कांग्रेस के 857 विधायक हैं, जिनमें से 73 वंशवादी हैं, जो लगभग नौ प्रतिशत है। आनुपातिक रूप से मापने पर, कांग्रेस का वंशवादी घनत्व दोगुना है। फिर भी, इस लेख में संख्याओं की गिनती का हवाला देकर एक झूठी समरूपता गढ़ी गई है।

कांग्रेस से परे भी, सत्ता का एक परिवार विशेष के हाथों में केन्द्रित होना ही कई क्षेत्रीय दलों की पहचान है। समाजवादी पार्टी की बागडोर मुलायम सिंह यादव से निकलकर अखिलेश यादव के पास चली गई। राष्ट्रीय जनता दल यादव परिवार के ही अधीन है। द्रमुक की लगाम एम. करुणानिधि से एम. के. स्टालिन और अब उदयनिधि स्टालिन के पास चली गई। तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के इर्द–गिर्द ही घूमती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा पर सोरेन परिवार का नियंत्रण बना हुआ है। ये बहुलवादी नेतृत्व के नहीं, बल्कि विरासत में मिले नेतृत्व के उदाहरण हैं। परिवार को हटा दिया जाये, तो पार्टी ढह ही जाये।

इस बात को समझने के लिए कि भाजपा अलग तरह से क्यों काम करती है, हमें इसके संस्थागत ढांचे पर गौर करना होगा। भाजपा का संगठन स्तरीकृत, सामूहिक और लक्ष्य–उन्मुख है। वहां

कार्यकर्ताओं को बहुत जल्दी ही पहचान लिया जाता है और उन्हें व्यवस्थित कार्यक्रमों के जरिए प्रशिक्षित किया जाता है और बूथ, मंडल, जिला और राज्य स्तर पर जिम्मेदारी देकर परखा जाता है। प्रत्येक चरण में किया गया प्रदर्शन अगले अवसर का निर्धारण करता है। चुनाव जीते जाने वाली प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन ये संगठन की लामबंदी, लोगों को समझाने और परिणाम देने की क्षमता का भी लेखा–जोखा होती हैं। यह संरचना एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करती है जिसमें सेवा, अनुशासन और परिणाम ही आगे बढने के पैमाने हैं।

नेतृत्व की पाइपलाइन की भी यही कहानी है। वर्ष 2014 से पार्टी ने पहली पीढ़ी के वैसे नेताओं को आगे बढ़ाया है जो भारत की सामाजिक गतिशीलता को दर्शाते हैं। छत्तीसगढ़ के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं ने निरंतर जमीनी स्तर पर काम करके अपना करियर बनाया। ओडिशा में मोहन माझी ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिलने से पहले संगठन और विधानमंडल में वर्षों बिताए। हरियाणा में नायब सिंह सैनी एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और राजस्थान में भजन लाल शर्मा वर्षों तक निर्वाचन क्षेत्र में काम करके और पार्टी की जिम्मेदारी निभाकर आगे बढ़े। इनमें से किसी को भी राजनीतिक पद विरासत में नहीं मिला। इनमें से प्रत्येक इस बात के उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि एक योग्यता–आधारित पार्टी में नेतृत्व कैसे अर्जित किया जा सकता है।भाजपा का संसदीय और सरकार में रहने का अनुभव भी पहुंच और प्रभुत्व के बीच के अंतर को दर्शाता है। कई युवा नेताओं को दृश्यता और जिम्मेदारी दी जाती है, लेकिन उनका मूल्यांकन उनके काम के आधार पर किया जाता है। मंत्रियों का मूल्यांकन परिणामों, सुधारों और जन संवाद के आधार पर किया जाता है। पार्टी के पद समयबद्ध और प्रदर्शन से जुड़े होते हैं। इससे त्रुटि या महत्वाकांक्षा समाप्त नहीं होती और न ही कोई भी संस्था ऐसा कर सकती है। लेकिन यह कवायद ऐसे प्रोत्साहन पैदा करती है, जो वंशावली की तुलना में योग्यता को प्राथमिकता देते हैं।

इसके उलट, वंशानुगत पार्टियां नए प्रयोगों को आजमाने में जूझती हैं क्योंकि वहां उत्तराधिकार पूर्वनिर्धारित होता है। वहां प्रतिभाएं अपने उत्तराधिकारी की रक्षा करने की जरूरत के बोझ से घिरी रहती हैं। पारिवारिक परंपरा के विरोधाभास के डर से आंतरिक बहस मंद पड़ जाती है। संगठनात्मक नेटवर्क प्रशासकों और विधायकों के बजाय दरबारियों और दलालों के इर्द–गिर्द घूमने लगते हैं। इसका नतीजा न केवल राजनीतिक गतिरोध में होता है, बल्कि जनता के विश्वास का भी क्षरण होता है। मतदाता अंततः अर्जित नेतृत्व और हस्तांतरित नेतृत्व के बीच के अंतर को पहचान लेते हैं।

इतिहास को स्वीकार करना जरूरी होता है। कांग्रेस ने राष्ट्रीय कल्पना में राजनीतिक विरासत को आम बात बना दिया। वाईएसआर कांग्रेस और बीआरएस से लेकर तृणमूल तक, कई क्षेत्रीय वंशवादी संगठन कांग्रेस की ही शाखाएं हैं और उन्होंने उसके वंशानुगत ढांचे की नकल की है। दशकों से इस संस्कृति ने राजनीतिक दलों को ऐसे पारिवारिक उद्यमों में बदल दिया है, जहां विचारधारा की जगह निष्ठा ने ले ली और नेतृत्व के विकास की जगह उत्तराधिकार के नियोजन ने ले ली। यह मॉडल कुछ समय तक चुनावी सफलता तो दिला सकता है, लेकिन यह शायद ही कभी टिकाऊ संस्थाओं या सक्षम नेताओं की एक व्यापक श्रृंखला का निर्माण कर पाता है।

आलोचक कभी–कभी यह पूछते हैं कि क्या भाजपा पूरी तरह से वंशवादी हस्तियों से मुक्त है। इसका ईमानदार जवाब यह है कि ऐसा नहीं है और न ही कोई भी बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी ऐसी हो सकती है। लेकिन प्रासंगिक सवाल कुछ दूसरा है। क्या ऐसे व्यक्ति केवल अपने वंश की बदौलत ही पदों पर आसीन होते हैं या उन्होंने फिर निरंतर कार्य करके संगठन और मतदाताओं का विश्वास अर्जित किया है। भाजपा का रिकॉर्ड दर्शाता है कि पारिवारिक पृष्ठभूमि एक जीवनी संबंधी तथ्य हो सकती है, लेकिन यह योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं है। नेतृत्व का रास्ता सभी के लिए एक जैसा ही है – कार्यकर्ता से नेता, कार्यकर्ता से प्रतिनिधि, प्रतिनिधि से मंत्री और हर कदम प्रदर्शन के जरिए ही अर्जित किया जाता है।यह अंतर अपने सामाजिक और भौगोलिक आधार का विस्तार करने की भाजपा की क्षमता को भी दर्शाता है। एक योग्यता–आधारित पार्टी नए समुदायों और क्षेत्रों का समावेश कर सकती है क्योंकि वह भागीदारी के ऐसे रास्ते प्रदान करती है, जो किसी परिवार से निकटता पर निर्भर नहीं होते। वह स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान कर सकती है, उन्हें जिम्मेदारी दे सकती है और उनके परिणामों को पुरस्कृत कर सकती है। इस तरह ही एक पार्टी स्थानीय वास्तविकताओं में निहित रहते हुए राष्ट्रीय चरित्र हासिल करती है। इसी तरह ही एक पार्टी ऐसे नेताओं के जरिए विचारधारा को शासन में परिवर्तित करती है, जिन्हें केवल विरासत में पाने के बजाय कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया होता है।

मतदाता इस अंतर को पहचान चुके हैं। मतदाता नाम से प्रभावित नहीं होते। वे नेताओं का मूल्यांकन उनके वंश से नहीं, बल्कि उनके कार्यों से करते हैं। वे जनसेवा से अर्जित वैधता और वंश–परंपरा से प्राप्त अधिकार के बीच का अंतर समझते हैं। इसीलिए वंशवादी राजनीति से संबंधित बहस को केवल आंकड़ों के खेल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। गंभीर मुद्दा नेतृत्व की संस्कृति का है। क्या कोई पार्टी सेवा और योग्यता को पुरस्कृत करती है या फिर किसी परिवार से जुड़ाव को। इस कसौटी पर भाजपा की खूबी बिल्कुल साफ नजर आती है।इंडियन एक्सप्रेस के लेख में यह पूछा गया कि भारत की कौन सी पार्टियां परिवारों द्वारा संचालित हैं। लेकिन इससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उनमें से कौन सी पार्टी परिवार द्वारा संचालित नहीं हैं। भाजपा उन चंद पार्टियों में से एक है जहां नेतृत्व विरासत में नहीं मिलता, केवल अर्जित किया जाता है। पार्टी में विभिन्न पृष्ठभूमि के नेता आते रहेंगे, जिनमें वे भी शामिल होंगे जिनके रिश्तेदार सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन उन्नति की शर्तें सभी के लिए एक जैसी ही होंगी। कड़ी मेहनत कीजिए, विश्वास अर्जित कीजिए, परिणाम दीजिए और लोगों को आश्वस्त कीजिए। लोकतंत्र में इसके अलावा और कोई स्थायी रास्ता नहीं है।भारत का लोकतंत्र एक मौन बदलाव के दौर से गुजर रहा है। नागरिक वंशावली के बजाय योग्यता से शासित होने के अपने अधिकार पर जोर दे रहे हैं। जैसे–जैसे नेतृत्व अधिक जवाबदेह होता जा रहा है, संस्थाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है। राजनीति विरासत से कम और सेवाभाव से अधिक प्रभावित दिखने लगी है। यह यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है और कभी होगी भी नहीं। हर पीढ़ी को इसे नवीनीकृत करते रहना होगा।

वोट चोरी की सच्चाई सामने आनी चाहिए

कलबुर्गी स्थित जिस कॉल सेंटर की सेवा इसके लिए ली गई, उसे मतदाता के नाम को काटने की हर अर्जी के लिए 80 रुपए दिए गए। दिसंबर 2022 से फरवरी 2023 के बीच ऐसी कुल 6,018 अर्जियां दी गईं।

कर्नाटक पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) इस नतीजे पर पहुंचा है कि राज्य के अलांद विधानसभा क्षेत्र में 2023 के चुनाव से पहले नियोजित ढंग से मतदाताओं के नाम मतदाता कटवाए गए। ऐसा ऑनलाइन माध्यम से हुआ। एसआईटी इस निष्कर्ष पर है कि कलबुर्गी स्थित जिस कॉल सेंटर की सेवा इसके लिए ली गई, उसे मतदाता के नाम को काटने की हर अर्जी के लिए 80 रुपए दिए गए।

कर्नाटक पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) इस नतीजे पर पहुंचा है कि राज्य के अलांद विधानसभा क्षेत्र में 2023 के चुनाव से पहले नियोजित ढंग से मतदाताओं के नाम मतदाता कटवाए गए। ऐसा ऑनलाइन माध्यम से हुआ। एसआईटी इस निष्कर्ष पर है कि कलबुर्गी स्थित जिस कॉल सेंटर की सेवा इसके लिए ली गई, उसे मतदाता के नाम को काटने की हर अर्जी के लिए 80 रुपए दिए गए। दिसंबर 2022 से फरवरी 2023 के बीच ऐसी कुल 6,018 अर्जियां दी गईं। इस तरह कुल लगभग 4.80 लाख रुपये का भुगतान किया गया। संदेह है कि यह रकम 2023 में अलांद सीट पर पराजित हुए भाजपा उम्मीदवार सुभाष गुट्टेदार की तरफ से दी गई। कर्नाटक पुलिस ने पिछले हफ्ते गुट्टेदार के घर पर छापा मारा था।

बहरहाल, सिर्फ 24 ऐसे वास्तविक मतदाताओं की पुष्टि हुई है, जिनके नाम इस प्रयास के कारण मतदाता सूची से हटे। बाकी मतदाता पहले ही उस क्षेत्र से जा चुके थे– यानी उनका नाम कटना जायज ही था। मगर 24 मतदाताओं के नाम कटना भी बड़ा मुद्दा है। इससे पुष्टि होती है कि इस तरह के सुनियोजित प्रयास हुए और ऐसा ऑनलाइन माध्यम से तीसरे पक्ष की तरफ से किया गया। यही इल्जाम कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लगाया था। उनके आरोपों के बाद निर्वाचन आयोग ने यह अनिवार्य कर दिया है कि किसी मतदाता का नाम काटने की अर्जी सिर्फ आधार से जुड़े मोबाइल फोन नंबर से ही दी जा सकेगी।

इस तरह उम्मीद जगी है कि भविष्य में इस तरह की वोट चोरी को रोका जा सकेगा। परंतु, जैसाकि बाद में राहुल गांधी ने कहा था, पहले हुई वोट चोरी की सच्चाई सामने आनी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसके लिए निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त सक्रियता नहीं दिखाई है। उससे अपेक्षित है कि कर्नाटक एसआईटी जांच में पूरा सहयोग करे और इस प्रकरण को इसके अंजाम तक पहुंचाए। भारत की चुनाव प्रक्रिया पर पहले से कई सवाल हैं। वोट चोरी के आरोप से उसमें एक और संगीन पहलू जुड़ा। संदेह के ये सायों को तुरंत नहीं हटे, तो उसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह केवल अतीत के नेता नहीं

चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे नेता थे जिन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत की आवाज़ को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में रखा। उनका मानना था कि भारत की असली ताकत गांव और खेतों में बसती है। आज जब किसान आय, सिंचाई, और बाजार की समस्याओं से जूझ रहे हैं, तब उनकी नीतियां पहले से अधिक सार्थक प्रतीत होती हैं। चरण सिंह ने कृषि को अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना और कहा कि औद्योगिक विकास तभी संभव है जब किसानों की स्थिति मजबूत होगी। आज आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियान उसी सोच की आधुनिक व्याख्या हैं। उन्होंने विदेशी पूंजी पर निर्भरता का विरोध किया और छोटे उद्योगों, स्थानीय उत्पादन व रोजगार को बढ़ावा देने का समर्थन किया। राजनीतिक दृष्टि से चरण सिंह जनता आधारित लोकतंत्र के पक्षधर थे। वे सत्ता को जनहित से जोड़ने और विकास को नीचे तक पहुंचाने के समर्थक थे। उनका विश्वास था कि जब तक गांव समृद्ध नहीं होंगे, तब तक देश सशक्त नहीं हो सकता। आज जब कृषि सुधार, ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय की चर्चा फिर से केंद्र में है, चौधरी चरण सिंह की नीतियां और विचार एक बार फिर मार्गदर्शक बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने जिस कृषक–कल्याण मॉडल की परिकल्पना की थी, वही वास्तव में भारत के स्थायी विकास की नींव है। चौधरी चरण सिंह केवल अतीत के नेता नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के भारत के लिए प्रेरणा हैं। उनकी नीतियों को अपनाकर ही देश एक संतुलित, आत्मनिर्भर और न्यायसंगत समाज की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

कांतारा: चैप्टर 1 वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस में जलवा

होम्बले फिल्म्स और ऋषभ शेट्टी की कांताराः चैप्टर 1 ने भारतीय सिनेमा और कहानी कहने के अंदाज़ को नए सिरे से परिभाषित किया है. लगभग एक महीने पहले रिलीज हुई यह फिल्म अब एक वैश्विक सनसनी बन चुकी है. दर्शकों को अपनी अद्भुत विज़ुअल्स और लोककथाओं को जीवंत करने की अनोखी शैली से मंत्रमुग्ध कर रही है. रिलीज के बाद से ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस के सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है और अपने पहले भाग की तुलना में दोगुनी कमाई कर चुकी है. दिवाली के दौरान यह फिल्म सबसे बड़ी विजेता साबित हुई है.

अपनी दैविक कथा–वाचन शैली, गहरी सांस्कृतिक जड़ों और असाधारण सिनेमाई दृष्टि के साथ, कांताराः चैप्टर 1 दुनियाभर के दर्शकों को मोहित कर रही है. अपनी इस अजेय दौड़ को और मजबूत करते हुए, फिल्म ने अब ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है. वर्ल्डवाइड 852 करोड़ की कमाई पार कर और खुद को भारतीय सिनेमा की सबसे प्रशंसित और रिकॉर्ड–तोड़ फिल्मों में शामिल कर लिया है.

ये विशाल आंकड़े साबित करते हैं कि यह फिल्म दुनियाभर के दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर चुकी है, और सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। ऋषभ शेट्टी के शानदार अभिनय, दमदार संगीत, अद्भुत सिनेमाटोग्राफी और मनमोहक पृष्ठभूमि ने कांताराः चैप्टर 1 को एक सच्चा ब्लॉकबस्टर बना दिया है। अब फिल्म अपने ग्लोबल सफर को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, क्योंकि यह 31 अक्टूबर 2025 को अंग्रेज़ी भाषा में रिलीज़ होने जा रही है.

महिला वनडे विश्व कप 2025, फाइनल: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका मैच का प्रीव्यू और अन्य जानकारी

नईदिल्ली,01 नवंबर। महिला वनडे विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार (2 नवंबर) को भारतीय महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच होगा। दोनों टीमें ही पहली बार यह खिताब अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम 2 बार उपविजेता रह चुकी है, जबकि प्रोटियाज टीम ने पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। ऐसे में एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद की जा सकती है। आइए मुकाबले के प्रीव्यू और महत्वपूर्ण बातों पर नजर डालते हैं। अब तक दोनों टीमों की भिड़ंत में भारतीय टीम का एकतरफा दबदबा रहा है। क्रिकइंफो के मुताबिक, वनडे प्रारूप में दोनों टीमें कुल 34 मैचों में आमने–सामने हुई हैं, इनमें से 20 में भारत और 13 में प्रोटियाज टीम ने बाजी मारी है। इसी तरह एक मुकाबला अनिर्णित रहा है। दोनों के बीच खेले गए पिछले 5 वनडे मैचों में से 4 में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है, जबकि एक मुकाबला प्रोटियाज टीम ने अपने नाम किया है।वनडे विश्व कप में दोनों टीमें अब तक 6 बार आमने–सामने हुई हैं, जिनमें मुकाबला बराबरी का रहा है।

न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया, सीरीज में 3—0 से किया क्लीन स्वीप

नईदिल्ली,न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने वनडे सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड क्रिकेट टीम को 2 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही उसने वनडे सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 222 रन पर आउट हो गई थी। जवाब में कीवी टीम ने नियमित अंतराल पर लगे झटकों के बाद 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डाल लेते हैं।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम को 97 रन के कुल स्कोर तक 6 झटके लगे थे। उसके बाद टीम जोस बटलर (38), जेमी ओवरटन (68) और ब्रायडन कार्से (36) की पारियों से 222 रन तक पहुंचने में सफल रही। कीवी टीम से ब्लेयर टिकनर ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। जवाब में कीवी टीम ने रचिन रविंद्र (46), डेरिल मिचेल (44) और डेवोन कॉनवे (34) की पारियों से 44.4 ओवर में 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने सामूहिक प्रयास करते हुए 222 रन के स्कोर का बचाव करने का प्रयास किया। ओवरटन ने 10 ओवर में 1 मेडन के साथ 32 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। कर्रन ने 8.4 ओवर में 1 मेडन के साथ 46 रन पर 2 विकेट लिए। ब्रायडन कार्से ने 10 ओवर में 60 रन देकर 1 विकेट और आदिल राशिद ने 6 ओवर में 32 रन देकर 1 विकेट अपने नाम किया।

इंग्लिश टीम से ऑलराउंडर ओवरटन ने 62 गेंदों में 10 चौके और 2 छक्कों की मदद से 68 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। यह उनके वनडे करियर का पहला अर्धशतक रहा। वह अब तक 10 मैचों की 9 पारियों में 26.44 की औसत से 238 रन बनाने में सफल रहे हैं। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 46 रन का था। इसी तरह वह 9 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 29.33 की औसत से 9 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

कल्याणजी गोगाना की मारियो का पोस्ट–प्रोडक्शन कार्य जोरों पर

निर्देशक कल्याणजी गोगाना, जिन्होंने नाटकम और तीस मार खान जैसी विशिष्ट, विषय–वस्तु से प्रेरित फिल्मों से प्रसिद्धि पाई, एक और दिलचस्प फिल्म मारियो लेकर आ रहे हैं । ऊर्जावान टैगलाइन ए टबी–चार्ज्ड रैंप राइड के साथ, यह फिल्म रोमांच और मनोरंजन का एक मनोरंजक मिश्रण पेश करती है।

अपनी पहली फिल्म के रूप में, अनिरुद्ध इसमें खूबसूरत हेबा पटेल के साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण सिल्वर स्क्रीन प्रोडक्शंस ने रिज़वान एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया है। फिल्मांकन पूरा होने के साथ, मारियो वर्तमान में पोस्ट–प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। निर्माता नवंबर में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं, जिसकी सटीक तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी।

शीर्षक का खुलासा, प्रथम झलक और प्रचार पोस्टरों ने पहले ही काफी चर्चा पैदा कर दी है, जिससे फिल्म के प्रति उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।

एक प्रतिभाशाली टीम ने मारियो को जीवंत किया है। एमएन रेड्डी ने छायांकन का जिम्मा संभाला है, जबकि संपादन का काम मणिकांत और मादी मन्नेपल्ली ने संभाला है।

पंजाबी फिल्म जस्सी वेड्स जस्सी का ट्रेलर जारी

अभिनेता रणवीर शौरी ने बिग बॉस ओटीटी 3 में कहा था कि उनके पास काम होता, तो वह इस शो में नहीं होते। इस टिप्पणी ने काफी चर्चा बटोरी थी। अब अभिनेता अपने काम से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए आ गए हैं। उनकी आगामी पंजाबी कॉमेडी फिल्म जस्सी वेड्स जस्सी का ट्रेलर जारी हो गया है। इस फिल्म में अनुपम खेर के बेटे सिकंदर खेर और हर्षवर्धन सिंह देव भी हैं। आइए जानें इस फिल्म की रिलीज तारीख। फिल्म जस्सी वेड्स जस्सी के ट्रेलर में रोमांस, हंसी और एक्शन तीनों का तड़का देखने को मिल रहा है। जहां रणवीर दिलफेंक आशिक वाले किरदार में नजर आए हैं, तो वहीं सिकंदर दादागिरी वाला एहसास दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत: तीसरे टी–20 मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नईदिल्ली,ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 5 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला रविवार (2 नवंबर) को खेला जाएगा। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हुआ था और दूसरे में मेजबान टीम ने जीत दर्ज की थी। ऐसे में तीसरे मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम जीत दर्ज कर सीरीज में बराबरी करने का प्रयास करेगी। आइए मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण बातों पर नजर डालते हैं।

टी–20 में दोनों के बीच 34 मैच खेले गए, जिसमें से 20 में भारत और 12 में कंगारू टीम को जीत मिली है। 2 मैच में नतीजा नहीं निकला है। भारत में खेले गए 15 मुकाबलों में 10 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में 14 मुकाबलों में 7 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 5 मैचों में 3 में भारत और 2 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली।

तीसरे टी–20 मुकाबले में भारतीय टीम प्लेइंग इलेवन में बड़ा बदलाव नहीं करना चाहेगी। टीम को सलामी जोड़ी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल से बेहतर शुरुआत देने की उम्मीद रहेगी। कप्तान सूर्यकुमार भी बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे। जसप्रीत बुमराह पर गेंदबाजी की अगुवाई की जिम्मेदारी रहेगी। भारत की संभावित एकादशः अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह।

ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत को कड़ी टक्कर देते हुए नजर आ सकती है। टीम के कप्तान मिचेल मार्श कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं। वहीं, ट्रेविस हेड भी ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को मजबूती देना चाहेंगे। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड से भी काफी उम्मीदें होंगी।

संक्षिप्त समाचार

देवप्रयाग विधानसभा की समस्याओं को लेकर हुई बैठक

नई टिहरी। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी की मौजूदगी में डीएम नितिका खंडेलवाल ने देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण तय समयावधि के तहत करने के निर्देश दिये। बैठक में ग्राम पंचायत डुंगरियाल कांडा में दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त महिला मिलन केंद्र का आंगन, प्राचीन नागराजा मंदिर चौक का पुश्ता, जीआईसी सजवाण कांडा के पीछे का पैदल मार्ग, प्रावि महर कांडा का पैदल मार्ग तथा चौरास का रास्ता व ग्राउंड को आपदा मद से ठीक करवाने को कहा गया गया। जिस पर डीएम ने डीडीएमओ को आपदा एवं मनरेगा में प्रस्तावित तैयार करने को कहा।

रोड़धार, पौड़ीखाल, बागवान, देवप्रयाग, हिंडोलाखाल, जामणीखाल, हिसारखाल, कीर्तिनगर, चौरास, जीआईसी बालक थापली, चौकी, बढ़ियारगढ़, सजवाण काण्डा, जखण आदि स्थानों में कैंप लगाकर आधार कार्ड बनवाने को विधायक कंडारी ने कहा। जिसे लेकर ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को रोस्टर बनाकर दो–दो दिन का कैंप आयोजित कर आधार कार्ड बनाने के निर्देशित किया। हिंडोलाखाल ब्लॉक अंद्रोच रोड पर इंटरलॉक करने, चंद्रबदनी रोड पर कांडीखाल के समीप सड़क चौड़ीकरण, जीआईसी सजवाण काण्डा में क्लर्क एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की तैनाती करने, निर्धारित अवधि से इतर छूटे हुए जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने, रेलवे के कारण बढ़ियारगढ़ में क्षतिग्रस्त रोड़ को ठीक करवाने, खनन न्यास के प्रकरण तथा पुल बनने तक वैकल्पिक व्यवस्था करने को भी कहा गया। जिसे लेकर त्वरित कार्यवाही का भरोसा डीएम ने विधायक को दिया। डीएम ने बताया कि खण्ड विकास अधिकारियों से प्रत्येक गांव से कम से कम दो तरह अधिक से अधिक चार प्रस्ताव मनरेगा एवं आपदा मद से डबटेलिंग में रखने को कहा गया है।

क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि मणि चौरास पंपिंग योजना के लिए जायका से सतरह करोड़ की मंजूरी मिल चुकी है। जनवरी तक टेंडर हो जाएंगे। बैठक में ब्लॉक प्रमुख हिंडोलाखाल विनोद बिष्ट, नगर पालिका अध्यक्ष देवप्रयाग ममता देवी, जिलाध्यक्ष भाजपा उदय रावत, बीना सेमवाल, डीडीएमओ बृजेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

हेल्थ वॉरियर्स और राजस्व रॉयल की टीम पहुंची सेमीफाइनल में

नई टिहरी। डिपार्टमेंट हेल्थ वॉरियर क्रिकेट क्लब की ओर से चल रहा क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को दो मैच खेले गए जिसमें पहला मैच हेल्थ वॉरियर्स और विद्या रथ के बीच खेला गया। इसमें हेल्थ वॉरियर्स की टीम ने तीन विकेट से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट में मैन ऑफ द मैच शाकिर अली खान रहा।

शनिवार को मनेरा स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में पहला मैच हेल्थ वॉरियर्स और विद्या रथ के बीच खेला गया। इसमें विद्या रथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया जिसमें विद्या रथ की टीम ने 123 रन बनाए। इसके जवाब में हेल्थ वॉरियर्स की टीम ने तीन विकेट से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरा मैच राजस्व रॉयल और कूप फाइटर के बीच खेला गया जिसमें राजस्व रॉयल ने पहले खेलते हुए 205 रन बनाए जिसके जवाब में कूप फाइटर 99 रन पर ही आल आउट हो गई। इसमें मैन ऑफ द मैच राहुल चौहान रहे। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि मनेरा स्टेडियम में त्रिक्रेट टूर्नामेंट चल रहा है जिसके हर विभाग की टीम प्रतिभाग कर रही है। साथ ही खिलाड़ियों और दर्शकों को नशे से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। साथ ही आम लोगों को भी नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया जा रहा है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित आश्रम में रहने को मजबूर

नई टिहरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने नगर क्षेत्र में स्थित आशा किरण सेवा आश्रम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम में रह रहे वृद्ध जनों से बातचीत कर उनका हालचाल पूछा। उन्होंने आश्रम में कार्यरत कर्मचारियों को जरूरी निर्देश दिए। प्राधिकरण सचिव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व सिविल जज आशा किरण सेवा आश्रम का औचक निरीक्षण को पहुंचे।

आश्रम में पिछले 11 साल से रह रहे वरिष्ठ नागरिक भरत सिंह भंडारी पौड़ी गढ़वाल के दस्तावेज देखते हुए पता चला कि उनके पिता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। प्राधिकरण सचिव ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित को सरकार से कई सुविधाएं प्रदान की जाती है। इस मौके पर प्राधिकरण के रिटेनर अधिवक्ता राजपाल सिंह मिंया, बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेंद्र सिंह गुसाईं, पुलिस उप निरीक्षक शांति प्रसाद डिमरी, राजस्व उप निरीक्षक विनोद राणा, सरिता कोठियाल, उषा कैंतुरा, विजेंद्र सिंह रावत, विकास नेगी और हमीद खान आदि मौजूद थे।

मार्ग निर्माण नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर जारी रहा आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर क्षेत्रवासियों का धरना जारी रहा। लोगों ने सरकार से जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि क्षेत्रवासियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शनिवार को चिल्लरखाल में धरने पर बैठे लोगों ने मार्ग निर्माण की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण होना आवश्यक है। कहा कि राज्य गठन के बाद भी शहरवासियों को देहरादून राजधानी जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से गुजरना पड़ता है। कहा कि यदि लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग बनता है तो लोगों को उत्तर प्रदेश के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए भी यह मार्ग अति आवश्यक है। मार्ग निर्माण होने से सुस्त पड़े ग्रोथ सेंटर की कंपनियों व फैक्ट्रियों को गति मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में स्वरोजगार के साधन भी बढ़ेंगे। जिससे युवाओं को अन्य शहरों में पलायन नहीं करना पड़ेगा। कहा कि सभी को मार्ग निर्माण के लिए एकजुट होकर सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। इस मौके पर प्रवीण थापा, देवेंद्र सिंह, बीना देवी, मुन्नी देवी, अर्चना देवी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में मार्ग निर्माण के लिए आंदोलन करते लोग

तीन लाख की स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पुलिस ने 10.10 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की कीमत करीब तीन लाख रुपये आंकी जा रही है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि शनिवार को पुलिस टीम दिल्ली फार्म रेलवे फाटक के समीप गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम को गिवईस्रोत निवासी राहुल रावत संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। बताया कि जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से स्मैक बरामद हो गई। आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। बताया कि शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित की गई है। अब तक कई आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।

कोटद्वार पुलिस हिरासत में आरोपी

सरदार पटेल के जन्मदिन व इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर हुआ कार्यक्रम

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में एकता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल व प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद किया। कहा कि बेहतर समाज निर्माण में दिया गया महापुरुषों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह ने विद्यार्थियों को सरदार वल्लभ भाई पटेल व इंदिरा गांधी के जीवन के बारे में बताया। कहा कि हमें अपने इतिहास से जुड़े महापुरुषों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय एकता, स्वदेशी और आत्म निर्भर भारत की शपथ ली। साथ ही महापुरुषों की याद में पौधा रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर छात्र संसद के प्रधान नायक विश्वजीत सिंह, खेल सचिव गौरव चौहान, अनुशासन सचिव अरविंद सिंह, स्वच्छता सचिव रितेश सिंह, चांदनी, प्रमोद कुमार रमोला, सतीश चंद्र शाह, प्रकाश कैंथोला, नीरज कुमार, प्रमोद रावत, कैलाश रावत, दिनेश सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई ईगास, संस्कृति के संरक्षण का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शांति बल्लभ मोमोरियल इंटर कालेज में ईगास पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने संस्कृति के संरक्षण का भी संकल्प लिया। कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य वरूण भदोला ने किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उत्तराखंड की संस्कृति व सभ्यता के बारे में जानकारी दी। इसके उपरांत छात्रों ने गोमाता का पूजन किया। गायों को भोग के रूप में मंडुवे की बाड़ी व झंगोरे के लड्डू खिलाए। छात्रों ने गायों के माथे पर तिलक लगाकर सींगों पर घी लगाया। इस मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई गई। जिसमें प्राथमिक वर्ग में दिव्यांशी नेगी प्रथम, प्राची द्वितीय व वंश तृतीय रहे। जूनियर वर्ग में सोनाक्षी प्रथम, तन्नू द्वितीय, अंशिका तृतीय रही। वरिष्ठ वर्ग में अमन ध्यानी प्रथम, शीतल द्वितीय व शिवानी तृतीय रहे। इस मौके पर संगीता बिष्ट, विष्णु प्रताप, मनबीर सिंह, सुहानी, ज्योत्सना देवरानी, कमलेश सिंह रावत, मधुमिता जखमोला मौजूद रहे। उधर शिवपुर क्षेत्र की कंडारी कालोनी में भी शिक्षक टीएस रावत के नेतृत्व में इगास पर्व को पर्वतीय अंचल के पौराणिक स्वरूप में मनाया गया। सर्व प्रथम वार्डवासियों ने गायों की सींगों पर सरसों का तेल लगाया, तत्पश्चात गायों के कानों सहित पूरे शरीर की सफाई की। शिक्षक टीएस रावत ने ईगास बग्वाल की पौराणिक स्वरूप की जानकारी दी। कहा कि 16वीं शताब्दी में तिब्बत आक्रमणकारियों को खदेड़ने के लिए गढ़वाल के राजा की सेना छोटी दीपावली को रवाना हुई, लेकिन दस दिनों तक सीमा से सेना की लौटने की कोई सूचना नहीं मिली, ठीक ग्यारहवें दिन पता चला कि सेना युद्ध जीत गई, लेकिन भारी वर्फबारी के कारण वापस आने के रास्ते बर्फ से ढक गए। तब राजा ने पूरे गढ़वाल क्षेत्र में दीपावली जैसे भव्य जश्न मनाया, जिसमें घरों में विभिन्न प्रकार का पकवान बनाकर लोगों को बांटे गए, सेना के परिवारों को सूचना दी गई कि सेना सुरक्षित है। जिसके बाद प्रमुख सेनापति लोधी सिंह रिखोला व सहायह सेनापति माधो सिंह भंडारी के नेतृत्व में सेना सुरक्षित पहुंची। इस मौके पर रचना रावत, रवींद्र सिंह, कंचन कंडारी, रजनी नेगी, हेमलता रावत, एमएस रावत, अमित सिंह मौजूद रहे।

कोटद्वार में इगास पर्व गाय को ग्रास खिलाते विद्यार्थी

स्वस्थ जीवन के लिए खेल जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देवरामपुर स्थित डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल में वार्षिक डैफोडिल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों व अन्य लोगों ने विद्यार्थियों को खेल के महत्व के बारे में बताया। कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए खेल आवश्यक है।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, विद्यालय के अध्यक्ष अर्जुन सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य नूतन बिष्ट व सुनील भंडारी ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि लक्ष्य तक कर आगे बढ़ने वाले बच्चों को एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। खेल प्रतियोगिताओं से पूर्व विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। हिंदी, गढ़वाली, कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर दी गई प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वर्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में कोटद्वार क्षेत्र के 26 सीबीएसई विद्यालय व निजी विद्यालय प्रतिभाग कर रहे हैं। पहले दिन हुए कबड्डी प्रतियोगिता में एमकेवीएन ने डैफोडिल को 26-10 से हराया। दूसरे मुकाबले में सिद्धबली पब्लिक स्कूल ने बलूनी पब्लिक स्कूल को 15-10 से हराया।

कोटद्वार के डैफोडिल स्कूल में आयोजित प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते अतिथि

थलीसैंण के मंजरी गांव में भालू ने मवेशी को बनाया निवाला

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : थलीसैंण के राठ क्षेत्र में सक्रिय भालू से लोगों को निजात नही मिल पा रही है। शनिवार की सुबह यहां सक्रिय भालू ने मंजरी गांव में एक और मवेशी को निवाला बना दिया। पिछले करीब तीन महीने से थलीसैंण के राठ क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में भालू सक्रिय है और अभी तक पकड़ा नहीं जा सका। भालू के एक के बाद एक हमलों के बाद भालू को दोबारा मारने के आदेश भी जारी हुए है। इससे पहले सितंबर में भालू पकड़ने और मारने के आदेश हुए थे लेकिन तब भी भालू ट्रैंक्यूलाइज टीम के निशाने पर नही आ सका था। भालू ने इस बीच पाबौ और खिर्सू में तीन लोग को अभी तक घायल भी कर दिया है। इससे ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया कि भालू ने शनिवार को तड़के मंजरी गांव में एक मवेशियों को मारा है। भालू की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कुचौली, सौंठ और कठ्यूठ आदि गांवों में फॉरेस्ट टीम गशत कर रही है, लेकिन भालू इन गांव को छोड़ अब दूसरे गांवों की ओर बढ़ रहा है। भालू को मारने के आदेश के बाद क्षेत्र में मैन पॉवर और बढ़ा दी गई है। कोशिश की जा रही है कि भालू किसी तरह ट्रैक्यूलाइज हो जाए। इस दफे भालू ने अभी तक 30 से अधिक मवेशियों को निवाला बनाया है और अभी भी भालू के हमले नहीं थमे हैं।

गैस लीक डिटेक्शन सिस्टम प्रोजेक्ट रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान हाल के वर्षों में तकनीकी शिक्षा पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें संस्थान की 28 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में गैस लीक डिटेक्शन सिस्टम प्रोजेक्ट ने पहले स्थान पर रहा। संस्थान में 3 नवंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर निदेशक प्रो. वीके बंगा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसमें छात्रों, शिक्षकों व संस्थान प्रशासन का सामूहिक योगदान है। शनिवार को संस्थान में तकनीकी शिक्षा पर प्रतियोगिता का उद्घाटन निदेशक प्रो. वीके बंगा ने किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान हाल के वर्षों में तकनीकी शिक्षा पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी गहरी समझ और रचनात्मकता से मॉडल एवं कंप्यूटर जनित सॉफ्टवेयर द्वारा शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कई जटिल समस्याओं के सरल और प्रभावी समाधान प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में गैस लीक डिटेक्शन सिस्टम प्रोजेक्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रोजेक्ट अस्मित राणा, शिवम सकलानी व अनुष्का मालगुड़ी की टीम ने तैयार किया। द्वितीय स्थान पर ह्यस्मार्ट कैंपस मैनेजमेंट सिस्टम का प्रोजेक्ट रहा। यह प्रोजेक्ट समृद्धि भट्ट, इशांत डिमरी व संजना बर्त्वाल द्वारा बनाया गया। संस्थान परिसर के लिए ह्यसौर ऊर्जा का उपयोग करके सतत ऊर्जा संचयन प्रणाली प्रोजेक्ट ने तीसरा स्थान पाया।

दिसम्बर माह में आयोजित होगा दीक्षांत समारोह

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि का बारहवें दीक्षांत समारोह के लेकर विवि प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। दीक्षांत समारोह दिसम्बर माह में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। समारोह हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन और ऑनलाइन) में आयोजित किया जायेगा।

गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. राकेश कुमार ढोड़ी के ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया कि दीक्षांत समारोह के लिए छात्र-छात्राएं 03 नवंबर से अपना पंजीकरण कर सकते है। बताया कि पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 नवंबर निर्धारित की गई है। प्रो. ढोड़ी ने बताया कि गढ़वाल विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों के शैक्षणिक सत्र 2023-24 और 2024-25 के स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण किए हुए छात्र-छात्राएं को ही उपाधि प्रदान की जायेगी। बताया कि पीएचडी छात्र-छात्राओं को 1 नवंबर 2023 को या उसके बाद डिग्री प्राप्त करने वाले और जिनकी मौखिक परीक्षा 15 नवंबर 2025 को या उससे पहले आयोजित की गई है उन्हें ही उपाधि दी जायेगी।

बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 और 2024-25 के सभी विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विजेताओं को भी दीक्षांत समारोह के दौरान व्यक्तिगत रूप से उनकी डिग्री और पदक प्रदान किए जाएंगे। बताया कि छात्र-छात्राएं गढ़वाल विश्वविद्यालय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए पंजीकरण शुल्क प्रति उम्मीदवार 1500 रूपये निर्धारित किया गया है।

छापेमारी में घरेलू सिलेंडरों का अवैध उपयोग पाया

नई टिहरी। नई टिहरी में शनिवार को पूर्ति विभाग ने रसोई गैस के दुरुपयोग के विरोध में छापेमारी अभियान चलाया। टीम ने होटलों और ढाबों में छापेमारी कर पांच घरेलू गैस का दुरुपयोग होते हुए पकड़ा। टीम ने सिलेंडरों को एजेंसियों में रखवाया और मौके पर जरूरी दिशा निर्देश दिए। शनिवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल के निर्देश पर पूर्ति विभाग की टीमों ने शनिवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी अभियान चलाया। जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल ने बताया कि कीर्तिनगर, नैनबाग, गजा और लंबगांव क्षेत्रों में की गई छापेमारी के दौरान पांच घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग पाया गया। प्रवर्तन टीमों ने सभी सिलेंडरों को मौके पर जब्त कर संबंधित गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में रखा। उन्होंने बताया कि विभाग की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जा सके। अभियान में पूर्ति निरीक्षक ललित मोहन कठैत, अंकित रावत, विपिन रावत, नरेश चौहान, विनीत कुमार, धीरेन्द्र पेटवाल, ऋतु खंडूरी और प्रवीण सेमवाल शामिल रहे। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के अवैध उपयोग पर रोक लगाना था।

आपदा से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आपदा के कारण व निराकरण विषय पर स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति की ओर से गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में आपदा से बचाव के लिए आमजन का जागरूक होना आवश्यक बताया गया। कहा कि पहाड़ में अनियोजित तरीके से हो रहे विकास कार्यों से नुकसान हो रहा है। इस दौरान अंकिता भंडारी मामले में परिवार की पैरवी करने वाले अधिवक्ता अवनीश नेगी व बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल को सम्मानित किया गया।आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक सत्यप्रकाश थपलियाल ने की। वक्ताओं ने भविष्य को बचाने के लिए पहाड़ को बचाना अति महत्वपूर्ण बताया। कहा कि हिमालयी क्षेत्र में विद्युत योजनाओं की बाढ़ घातक सिद्ध हो रही है। प्रतिवर्ष आपदा के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर जंगल को काटा जा रहा है। कहीं न कहीं इसका असर आने वाले दिनों में और घातक होगा। कहा कि पर्यावरण अनुकूल विकास के गांव पर ध्यान दिया जाना चाहिए। डा. पद्मेश बुड़ाकोटी ने हिमालय की संरचना के बारे में बताया। कहा कि इस तरह की गोष्ठी से हमें बेहतर पर्यावरण व उसके संरक्षण की जानकारी मिलती है। कार्यक्रम के दौरान वनंतरा प्रकरण की पैरवी करने वाले अवनीश नेगी व बेरोजगारों की आवाज बनने वाले बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डा. नंद किशोर ढौंडियाल, योगेश पांथरी, सुरेंद्र आर्य, प्रवेश नवानी, शिव प्रसाद कुकरेती, राकेश लखेड़ा, प्रफुल चंद्र पांथरी, अरूण चंद्र पांथरी, केसी निराला, गोविंद डंडरियाल, चंद्र प्रकाश आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित समिति के कार्यक्रम में अवनीश नेगी को सम्मानित करते सदस्य

मार्ग निर्माण के लिए उक्रांद ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण नहीं होने पर उत्तराखंड क्रांति दल ने रोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शनिवार को कार्यकर्ता व पदाधिकारी उक्रांद के संरक्षक डा. शक्तिशैल कपरवाण के नेतृत्व में हिंदू पंचायती धर्मशाला में एकत्र हुए और जुलूस की शक्ल में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी के कैंप कार्यालय परिसर में पहुंचे, जहां पर उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। डा. कपरवाण ने विधानसभा अध्यक्ष पर विकास को लेकर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग अधर में लटका हुआ है, जिसके लिए क्षेत्र के लोग विगत कई दिनों से आंदोलन कर रहे है। लेकिन, विधानसभा अध्यक्ष की तरफ से कोई सकारात्मक बयान तक नहीं आया है। कहा कि कठोर वन अधिनियम विकास में रोड़ा बने हुए, जिन्हें शिथिल करने की जरूरत है। कहा कि चार नवंबर से विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्त्ता विधानसभा अध्यक्ष से मिलना चाहते थे। ताकि इस मामले को विधानसभा में उठाया जा सके। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को सभी विधायकों के माध्यम से विधानसभा सत्र में लालढांग-चिलरखाल मार्ग के प्रकरण को उठाना चाहिए। साथ ही इस संबंध में प्रस्ताव पारित करवा कर केंद्र सरकार को भिजवाना चाहिए, जिससे सड़क निर्माण के मामले का रास्ता साफ हो सकेगा।

इस मौके पर महेंद्र सिंह रावत, जगदीपक सिंह रावत, प्रवेश नवानी, पितृशरण जोशी, गुलाब सिंह, हरेंद्र सिंह भंडारी, भारत मोहन काला, संजय डबराल, संजय खंतवाल, कमलेश कुकरेती मौजूद रहे।

कोटद्वार में विस अध्यक्ष के कैंप कार्यालय में प्रदर्शन करते उक्रांद कार्यकर्ता

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

विषय: निविदा सूचना संख्या 227-DRM-MB-24-25 दिनांक 31.10.2025 के सम्बन्ध में

उपरोक्त निविदा दिनांक 26.11.2025 को खोली जानी है। निविदा प्रकाशन मे कार्य के नाम Balance work of covering and sump well at LHS No. 4 (RJK-SHTS) under ADEN/CH के स्थान पर Heavy repair of door & windows at staff quarters of ZRTI/CH and chandausi subdivision in the section of ADEN/CH हो गया है, कृप्या निविदा मे कार्य के नाम को Balance work of covering and sump well at LHS No. 4 (RJK-SHTS) under ADEN/CH ही पढ़ा जाये निविदा की अन्य नियम व शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ | 3402/2025

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर न	1-12-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल की टावर वैगनो का दो वर्ष की अवधि के लिए व्यापक रखरखाव का अनुबंध।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	22.11.2025,11:00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत	Rs 4,45,04,293.11/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि	Rs. 3,72,500/-
निविदा प्रपत्र मूल्य	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days
कार्य पूरा करने की अवधि	24 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

निविदा सूचना सं.: [illegible] दिनांक: 31.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ | 3400/25

संक्षिप्त समाचार

उदपाल्टा और लाखामंडल में गुलदार की धमक से दहशत

विकासनगर। साहिया क्षेत्र के उदपाल्टा के बाद अब लाखामंडल ग्राम पंचायत में गुलदार के आतंक से लोगों में दहशत बनी हुई है। साहिया के उदपाल्टा में गुलदार कई पालतू पशुओं को निवाला बना चुका है। वहीं, शुक्रवार को लाखामंडल के पूर्व प्रधान सुरेश शर्मा के तीन बकरों को गुलदार ने मार डाला। जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल गुलदार को पकड़ने की मांग की है। पिछले कई दिनों से साहिया के उदपाल्टा और लाखामंडल क्षेत्र में गुलदार की दहशत बनी हुई है। गुलदार पिछले एक माह में उदपाल्टा निवासी इन्दरू की एक खच्छर, दो बकरियों के साथ क्षेत्र में पांच अन्य बकरियों, चार पालतू कुत्तों को अपना शिकार बना चुका है। अभी भी वह लगातार जानवरों पर हमला कर रहा है। वहीं, लाखामंडल ग्राम पंचायत की ग्राम प्रधान बीना भट्ट ने बताया कि शुक्रवार को पूर्व प्रधान सुरेश शर्मा की तीन बकरों को गुलदार ने निवाला बना दिया। पहले भी गुलदार कई लोगों के पशुओं पर हमला कर चुका है। ग्राम प्रधान के साथ ही पूर्व प्रधान सुरेश शर्मा, बचना शर्मा, ओम प्रकाश, ऋतिक असवाल, प्रवीण गौड, शुभम शर्मा, अनूप शर्मा ने साहिया और लाखामंडल क्षेत्र में गुलदार के दहशत से मुक्त करने की मांग की है। गुलदार की दहशत से पशुपालक अपने पशुओं को चुगाने नहीं जा पा रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रमुख वन संरक्षक को ज्ञापन भेजकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

गुरुग्राम की कंपनी में नौकरी करता मिला जौनसार का लापता सोनू

विकासनगर। लापता बताया जा रहा हमरो गांव का सोनू पुलिस को गुरुग्राम की एक कंपनी में नौकरी करता हुआ मिला। पिछले दिनों उसके परिजनों ने पुलिस चौकी साहिया में गुमशुदगी दर्ज कर सोनू को ढूंढने की मांग की थी। सोनू ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया था। घर का नंबर भी उसे याद नहीं था, जिस कारण वह संपर्क नहीं कर पाया। रणदेई पत्नी स्व. नागचंद्र निवासी ग्राम हमरो दातनू ने तहसील कालसी में तहरीर देकर बताया था कि उनका बेटा सोनू खन्ना गुरुग्राम हरियाणा की फैक्ट्री में नौकरी के लिए गया था, लेकिन चार अक्तूबर से उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। उसका फोन कोई दूसरा व्यक्ति उठा रहा है और पैसों की मांग कर रहा है। जिसके बाद 17 अक्तूबर को तहसील कालसी में सोनू खन्ना की गुमशुदगी दर्ज की गई थी। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से भी सोनू की खोजबीन में मदद की गुहार लगाई थी। चौकी प्रभारी साहिया एसआई नीरज कठैत ने परिजनों से जानकारी जुटाई और सोनू के भाई को साथ लेकर गुरुग्राम गए। एसआई नीरज कठैत ने बताया कि गुरुग्राम में कई सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। पूर्व में जिन कंपनियों में सोनू काम करता था वहां पूछताछ की गई। साथ ही उसकी बैंक खाते की जानकारी जुटाई गई तो गुरुग्राम की एक कंपनी ने सोनू के खाते में 15 दिन का वेतन डाला था। जिसके आधार पर पुलिस लक्ष्मी टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में पहुंची जहां सोनू नौकरी करता हुआ मिला। सोनू ने पुलिस को बताया कि उसका फोन चोरी हो गया था। नंबर याद न होने के कारण वह परिजनों से संपर्क नहीं कर पा रहा था।

भाजपा बताए उत्तराखंड के विकास का सच, श्वेत पत्र पेश करे : सुमित हृदयेश

हल्द्वानी। राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर तीन और चार नवंबर को बुलाए गए विशेष सत्र से पहले कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में सुमित ने कहा कि अब समय आ गया है, जब भाजपा अपनी सरकारों के कार्यकाल का श्वेत पत्र जनता के सामने रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बताए कि उनके कार्यकाल में प्रदेश के विकास, रोजगार और निवेश के क्षेत्र में क्या–क्या उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भी दो बार के अपने शासनकाल का श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, ताकि जनता तुलना कर सके कि किसने उत्तराखंड का वास्तविक विकास किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पहली निर्वाचित सरकार कांग्रेस की थी और पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी की दूरदृष्टि से ही सिडकुल, आईआईएम और कई विश्वविद्यालयों की स्थापना संभव हुई। उन्होंने कहा कि आज सिडकुल की कंपनियों में स्थानीय युवाओं को महज श्रमिक वर्ग में रोजगार मिल पा रहा है, जबकि तकनीकी और प्रबंधन पदों पर बाहरी राज्यों के लोग काबिज हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

एसजीआरआर कोटद्वार में किया गया विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड़ कोटद्वार में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रदर्शनी में विभिन्न मॉडलों के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। इस मौके पर अतिथियों ने अभिभावकों को बताया कि बच्चों को विज्ञान से जुड़ने के लिए प्रेरित करें, जिससे देश का भविष्य विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में सुरक्षित हो। कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिक सोच, अभिरुचि, जागरूकता एवं नवाचारों को विकसित करने में विज्ञान प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण

योगदान होता है। इससे छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी विकास होता है।

विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन एसजीआरआर ऐजुकेशन मिशन के कोटद्वार क्षेत्र के डायरेक्टर डी.एम. रतूड़ी, विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश सिंह नेगी, प्राचार्य एसजीआरआर पैरामेडिकल के प्राचार्य डा. गिरीश उनियाल, एसजीआरआर नर्सिंग कालेज के प्राचार्य डा. राजकुमार एवं एसजीआरआर पब्लिक स्कूल कण्वघाटी के प्रधानाचार्य प्रवेश बडोला द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश सिंह नेगी ने बताया कि विज्ञान किस प्रकार हमारे जीवन, रहन-सहन, हमारी दैनिक गतिविधियों प्रभावित करता है। बताया कि किस प्रकार विज्ञान का सदुपयोग करके हम जीवन को सरल बना सकते हैं, वहीं विज्ञान का दुरुपयोग किस प्रकार मानव के लिये भयावह हो सकता है। अतः हमें विज्ञान के सदुपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। प्रदर्शनी में कला संकाय के विद्यार्थियों ने गढ़वाल की संस्कृति, ऐतिहासिक व भू-भाग का प्रदर्शन करने वाले मनमोहक मॉडल प्रदर्शित किये। वाणिज्य संकाय के छात्रों ने बैंकों की कार्य प्रणाली, आधुनिक शापिंग माल आदि मॉडल बनाकर अपनी सोच का परिचय दिया। विज्ञान संकाय छात्रों ने चन्द्रयान विक्रम लैण्डर, आदित्य एल-वन, हाइड्रोलिक ब्रिज, सिक्योरिटी आफ हाउस से इलैक्ट्रिक उपकरण, सोलर सिस्टम, वाटर हार्वेस्टिंग, पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण ग्रीन एनर्जी वोल्केना आदि विषयों में माडल और चार्ट प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन किया। कनिष्ठ वर्ग के नन्हें वैज्ञानिकों ने वेस्ट मैंनेजमेंट, भूकम्प अलार्म, एनर्जी रिसोर्स, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम जैसे प्रदर्शनों ने खबू सराहना बटोरी।

सतपुली अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा दी जाए

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : संयुक्त चिकित्सालय सतपुली में जनता के स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर समाजसेवी डॉ. विजेन्द्र सिंह उत्तराखंडी एवं सोनू कुमार ने संयुक्त चिकित्सालय सतपुली में जनता के हित में शीघ्र ही एक्सरे एवं अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग की। कहा कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की मशीन तो उपलब्ध है, लेकिन तकनीशियन नहीं होने के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया जिला अध्यक्ष सोनू कुमार ने कहा कि सतपुली विभिन्न विकासखंडों का केन्द्र बिन्दु है यहां दूर दूर से लोग आते हैं, ऐसे में संयुक्त चिकित्सालय सतपुली में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होना आवश्यक है। पूर्व में चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग उठाई गई थी। जिस पर संयुक्त चिकित्सालय में दो नए डाक्टरों की नियुक्ति तो हुई है, लेकिन स्थायी रूप से अल्ट्रासाउंड जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि जनहित में अस्पताल में जल्द से जल्द अल्ट्रासाउंड सुविधा का लाभ दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज को भी इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए।

तल्लानागपुर औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव का शुभारंभ

रुद्रप्रयाग। जनपद के चांदधार चोपता में तल्लानागपुर औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव का शनिवार को जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा एवं केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने शुभारंभ किया।

मेले में मुख्य बाजार से मेला स्थल तक विभिन्न विद्यालयों के नौनिहालों द्वारा आकर्षक मार्चपास निकाला गया, जिसकी जनपद प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा एवं केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने सलामी ली। मेले के पहले दिन स्थानीय स्कूली बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मेले हमारी संस्कृति के परिचायक है। मेलों के समय समय पर होने से हमारी सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल में हिमालयी क्षेत्र को विशेष पहचान मिली है।

बहुगुणा ने घोषणा की कि चोपता में वर्षों से अधर में लटके पॉलिटेक्निक भवन निर्माण के विषय में शीघ्र वन मंत्री से वार्ता की जाएगी। भूमि हस्तांतरण होते ही पशुपालन भवन का निर्माण भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने मेला समिति को तीन लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि आशा नौटियाल ने कहा कि मेले आपसी सौहार्द और मेलजोल के प्रतीक हैं। उन्होंने प्रभारी मंत्री के समक्ष स्वारी–ग्वास–कार्तिक स्वामी मोटर मार्ग का कार्य शुरू करने सहित तल्ला नागपुर क्षेत्र की अन्य कई समस्याएं रखी।

महायज्ञ की तैयारियां शुरू

चमोली। बारूली पट्टी के पोखरी चमेठी स्थित मां चंडिका मंदिर में फर्श विग्रह निर्माण और महायज्ञ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस संबंध में शनिवार को मंदिर प्रांगण में ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मां चंडिका के पौराणिक इतिहास पर चर्चा के साथ ही मंदिर समिति की कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में संदीप पंत ने बताया कि प्राचीन कथा के अनुसार चमेठी में नौखोली राजदरबार के समीप मां चंडिका मंदिर की स्थापना राजा अजय पाल के समय में की गई थी। मंदिर के गर्भगृह में मां भगवती राजराजेश्वरी, मां गौरा चामुंडा और मां दक्षिण काली की मूर्तियां स्थापित हैं, जो इसकी प्राचीनता को प्रमाणित करती हैं। बैठक में सर्वसम्मति से जिला पंचायत सदस्य बीरेंद्र राणा को अध्यक्ष, महिधर पंत, कुंवर सिंह चौधरी को कोषाध्यक्ष, हनुमंत सिंह, उपेन्द्र सिंह रावत, राजेंद्र कोठियाल को उपाध्यक्ष, राजपाल सिंह को सचिव, महावीर सिंह, शिशुपाल रावत, नारायण सिंह को सदस्य तथा सतेन्द्र बुटोला को महामंत्री और भरत चौधरी को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। अध्यक्ष बीरेंद्र राणा ने बताया कि फर्श निर्माण और महायज्ञ की तिथि पंचांग के आधार पर तय की जाएगी। इसके लिए बारूली पट्टी के प्रत्येक गांव में बैठकें की जाएंगी।

राज्य के विकास के लिए अगले 25 वर्षों के लिए बनेगा नया रोडमैप : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को बलवीर रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निर्माण की रजत जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में रजतोत्सव समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेशभर में 01 नवम्बर को इगास पर्व से 11 नवम्बर 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण कर उन्हें नमन किया और कहा कि उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान ही हमें नया राज्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व का विषय है कि उत्तराखण्ड 25 वर्षों की उल्लेखनीय यात्रा पूर्ण कर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प देशवासियों के सामने रखा है। वर्ष 2050 उत्तराखण्ड राज्य स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष होगा। आने वाले इन 25 वर्षों के लिए राज्य सरकार एक नया रोडमैप बनाकर आगे बढ़ेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश की सीमाओं पर बलिदान देने वाले जवानों और राज्य आंदोलन के बलिदानियों को भी नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के रजतोत्सव समारोह के अंतर्गत 03 और 04 नवम्बर को देहरादून में विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 03 नवम्बर को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु विशेष सत्र को संबोधित करेंगी, जो राज्य के लिए गौरव का विषय है। इस विशेष सत्र में राज्य को आगे ले जाने की दिशा में विचार-विमर्श होगा तथा बीते 25 वर्षों के अनुभवों पर चर्चा की जाएगी। 09 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस पर मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। रजतोत्सव समारोह का केंद्रबिंदु संस्कृति, पर्यटन, युवाशक्ति, प्रवासी उत्तराखण्डी तथा राज्य आंदोलनकारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि जनभागीदारी का उत्सव है। प्रत्येक नागरिक और जनपद को इस उत्सव से जोड़ने का उन्होंने आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रजत जयंती वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है। इसी क्रम में अगले 25 वर्षों के लिए खाका भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिसका लक्ष्य समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त उत्तराखण्ड का निर्माण है।

बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष रूप से फोकस करें

हिल्स इंटर नेशनल स्कूल के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव रेन्बो का आगाज

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : हिल्स इंटर नेशनल स्कूल के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव रेन्बो का आगाज हो गया है। वार्षिकोत्सव के पहले दिन नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर दर्शकों की जमकर वाहवाही बटोरी। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राठ महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य डा. जितेंद्र नेगी ने कहा कि स्कूल प्रशासन और अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष रूप से फोकस करना होगा। वर्तमान में बच्चें छोटी सी असफलता पर तनावग्रस्त हो रहे हैं। एकल परिवार, मोबाइल का बढ़ता उपयोग, बच्चों में एकाकीपन सहित अनेक कारण इसके जिम्मेदार हैं। उन्होंने बच्चों को उदाहरण सहित विपरीत परिस्थितियों से उबरने के लिए स्वयं को तैयार किए जाने को प्रोत्साहित किया।

शनिवार को संस्कृति भवन प्रेक्षागृह में आयोजित वार्षिकोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि राठ महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य डा. जितेंद्र नेगी ने किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य अनीता रावत ने विद्यालय की स्थापना, उद्देश्य, वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी दी। जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सरीश चदवंशी ने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ लोक संस्कृति के संरक्षण, योग की आम जीवन में उपयोगिगता को आत्मसात किए जाने सहित अनेक सकारात्मक गतिविधियां उत्साहित करने वाली हैं।

कार्यक्रम में श्रीराम स्तुति, लकड़ी की काठी, जॉनी–जॉनी यश पापा, राधे–श्याम की जोड़ी, कित्थे चली, सॉरी-सॉरी, बादल पर पांव सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर बच्चों ने सभी को मंत्रमुग्ध किया। कोविडकाल की विपरीत परिस्थितियों से उबरने और छत्रपति शिवाजी की शौर्यगाथा का नृत्य नाटिका के माध्यम छात्र-छात्राओं ने जीवंत अभिनय कर शानदार प्रस्तुति पर वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का संचालन छात्रा आकृति बिष्ट व वंशिका दनोसी ने किया। इस अवसर पर शिक्षक विकास रावत, प्रह्लाद देवसाली, शुभम रावत, रोहिणी थपलियाल, संगीता रावत आदि मौजूद रहे।

विजेता छात्रों को किया सम्मानित

वार्षिकोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इनमें कलरिंग में नर्सरी में कियांश, एलकेजी में शिवांशी रावत, यूकेजी में नमिता, हिंदी कविता पाठ में नर्सरी में हार्दिक भंडारी, एलकेजी में अव्यान परमार, यूकेजी में परी थपलियाल, फैन्सी ड्रेस में नर्सरी में अरुणोदय बिष्ट, एलकेजी में मानवी व यूकेजी में इरा अव्वल रही।

श्रद्धा है तो भगवान, अन्यथा वह केवल पत्थर की मूरत :सौरभ सागर

देहरादून। पंचकल्याणक समिति, पुष्प वर्षा योग समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में मज्जिनेन्द्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर एवं जैन भवन गांधी रोड में तप कल्याणक और विभिन्न आध्यात्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास से किए गए। जैन महामुनिराज सौरभ सागर के सानिध्य में शनिवार को तप कल्याणक, श्री जिनाभिषेक एवं नित्यर्चन, श्री जिनेंद्र महार्चना (विधान), मंत्र ध्वनि–ज्ञानयोगी, आदिकुमार विवाह, राजा नाभिराय दरबार, आदिकुमार राज्याभिषेक, षट्कर्म उपदेश, न्याय उपदेश, वैराग्य दर्शन, तीर्थंकर दीक्षा विधि, वैराग्य उद्बोधन, अंकन्यास, तप कल्याणक पूजा एवं हवन–आरती महोत्सव, श्री शास्त्रसभा का आयोजन हुआ। मुख्य संयोजक संदीप जैन के मुताबिक जैन अनुयायियों में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है। देर शाम को भजन संध्या में दिल्ली के जैन भजन गायक दीपक रूपक जैन ने आकर्षक प्रस्तुति दी।

बोट यूनियन ने चार पुरानी बोटों की निविदा जारी करने पर उठाए सवाल

नई टिहरी। श्री गंगा भागीरथी बोट यूनियन ने टिहरी झील विशेष क्षेत्र पर्यटन विकास प्राधिकरण (टाडा) पर वर्षों से खराब पड़ी अपनी चार बोटों का संचालन करने के लिए निविदा जारी करने पर सवाल उठाए हैं। यूनियन ने आरोप लगाया कि टाडा की इस कार्रवाई से कोटी कॉलोनी क्षेत्र में पहले से स्वरोजगार से जुड़े युवाओं की आजीविका प्रभावित होगी। कोटी कॉलोनी में पत्रकार वार्ता करते हुए यूनियन के अध्यक्ष वीरेंद्र नेगी और कार्यकारी अध्यक्ष लखवीर चौहान ने कहा कि टिहरी झील की क्षमता सीमा पहले ही पूरी हो चुकी है। वर्तमान में कोटीकॉलोनी में 110 बोट, तीन पैरासेलिंग, एक क्रूज, चार फ्लाइबोर्ड और फ्लोटिंग हट्स संचालित हो रही हैं। ऐसे में नई बोटों के संचालन से सुरक्षा और संतुलन दोनों पर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि टाडा की ओर से सालों से खराब पड़ी चार बोटों के संचालन के लिए निविदा जारी करना युवाओं के स्वरोजगार पर कुठाराघात है। यूनियन मामले में अपनी आपत्ति डीएम और टाडा की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिका खंडेलवाल को बता चुका है। डीएम ने मामले में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

यूनियन पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि टाडा को इन चारों बोटों को झील के बोट प्वाइंट कोटी, डोबरा, नंदगांव और सांदणा रेस्क्यू बोट के रूप में उपयोग लाना चाहिए। क्योंकि झील क्षेत्र में रेस्क्यू कार्यों के लिए कोई बोट की व्यवस्था नहीं है। अनुज उनियाल ने बताया कि डोबरा, नंदगांव और सांदणा में कुल 23 बोट लाइसेंस जारी किए गए हैं लेकिन बुनियादी सुविधाएं नहीं होने से पर्यटक वहां नहीं जा रहे हैं।

दून पहुंचे अभिनेता रजत कपूर , उत्तराखंड में शूटिंग के अनुभवों को साझा किया

देहरादून। कठपुतली आर्ट एंड फिल्म्स की ओर से शनिवार को पुतुल फिल्म ट्रेलर लांच किया। दून पहुंचे अभिनेता रजत कपूर ने उत्तराखंड में शूटिंग के अनुभवों को साझा किया। कठपुतली आर्ट एंड फिल्म्स की ओर से शनिवार को पुतुल फिल्म को लेकर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता की गई। इस दौरान फिल्म का ट्रेलर दिखाया गया। इसके बाद फिल्म के निर्माता शरद मित्तल, निर्देशक राधेश्याम पिपलवा और अभिनेता रजत कपूर ने फिल्म के संबंध में बात की। निर्देशक राधेश्याम पिपलवा ने बताया कि फिल्म मां–बाप के तलाक से बच्चों पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव को दर्शाती है। यह फिल्म इसी मुद्दें पर बनी है। फिल्म की शूटिंग मसूरी और देहरादून में हुई है।बताया कि उत्तराखंड में फिल्म बनाने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। उत्तराखंड उन मुख्य राज्यों में से एक है जहां पर फिल्म बनाना बहुत आसान है। फिल्म अभिनेता रजत कपूर ने कहा कि फिल्म पुतुल नाम की लड़की पर आधारित है। उसके मां–पिता तलाक ले रहे हैं जिस वजह से वह बच्ची पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। इस वजह से वह घर से निकल जाती है। उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताया कि वह फिल्म में पुतुल के नाना का किरदार निभा रहे हैं।

निवेश का झांसा देकर तीन लाख 38 हजार ठगे

विकासनगर। साइबर ठगों ने कंपनी का स्टॉक खरीदने पर लाभ देने के नाम पर एक व्यक्ति से तीन लाख 38 हजार 500 रुपये ठग लिए। तहरीर के बाद सेलाकुई थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष पीडी भट्ट ने बताया कि अनिल कुमार यादव पुत्र श्यामराज यादव निवासी मधु विहार, हरिपुर निगम रोड ने तहरीर दी है। अनिल ने बताया कि उसने अपनी फेसबुक वॉल पर एक निवेश संबंधी विज्ञापन देखा। उसे पैसों की जरूरत थी, इसलिए उसने विज्ञापन पर क्लिक किया। जिसके बाद उसे एक ग्रुप से जोड़ दिया गया। इसके बाद एक कंपनी के नाम से से ईमेल आया। जिसके माध्यम से उससे एक ऐप डाउनलोड करवाई गई।

गंगा स्नान के साथ दरमोला गांव में पांडव नृत्य शुरू

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत दरमोला में देव निशान व पांडव पश्वाओं के गंगा स्नान के साथ पांडव नृत्य का भव्य मंचन शुरू हो गया है। इससे पहले संगम में स्नान के बाद भक्तों के जयकारों के साथ देव निशान दरमोला गांव पहुंचे जहां पूजा–अर्चना के साथ उन्हें पांडव चौक में स्थापित किया गया। बीते वर्षों की भांति इस बार भी एकादशी की पूर्व संध्या पर दरमोला, तरवाडी, स्वीली–सेम गांव के ग्रामीण देव निशानों को पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ गंगा स्नान के लिए अलकनंदा–मंदाकिनी के तट पहुंचे। सांय संगम पर ग्रामीणों द्वारा रात्रिभर जागरण करने के साथ पुजारी ने देवताओं की चार पहर की पूजा–अर्चना की। शनिवार को ग्रामीणों ने भगवान बद्रीविशाल, लक्ष्मीनारायण, शंकरनाथ,

तुंगनाथ, नागराजा, हीत देवता, चामुंडा देवी, ब्रह्मडुंगी, भैरवनाथ सहित कई देवी देवताओं के निशानों के साथ ही पांडवों के अस्त्र–शस्त्रों का स्नान कराया गया। जिसके बाद पुजारी व अन्य ब्राह्मणों ने भगवान बद्री विशाल सहित सभी देवताओं की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा–अर्चना शुद्धिकरण किया गया। संगम पर हवन व आरती के साथ देवताओं का तिलक किया गया। जबकि देव निशानों को श्रृंगार कर फूल मालाओं से सुशोभित किया गया। यहां मौजूद स्थानीय भक्तों के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान देव निशानों ने नृत्यकर भक्तों को आशीर्वाद भी दिया। अंत में सभी देव निशानों ने ढोल दमाऊं के साथ अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया। ग्राम पंचायत दरमोला में हर वर्ष अलग–अलग स्थानों पर पांडव नृत्य आयोजन होता है। एक वर्ष दरमोला और दूसरे वर्ष राजस्व गांव तरवाड़ी में पांडव नृत्य का आयोजन होता है। इस वर्ष दरमोला गांव में देव निशानों की स्थापना कर पांडव नृत्य का शुभारंभ हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्री, सांसद और विधायक के खिलाफ लोग मुखर

नई टिहरी। भिलंगना क्षेत्र की लचर स्वास्थ्य सेवाओं को चाक–चौबंद करने, प्रसव के बाद मृत दो महिलाओं के परिजनों को 20–20 लाख मुआवजा देने, अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती करने की मांग घनसाली स्वास्थ्य जन संघर्ष मोर्चा से जुड़े लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री, सांसद और स्थानीय विधायक का पुतला फूंका। उन्होंने सरकार पर भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। घनसाली स्वास्थ्य जन संघर्ष मोर्चा के बैनरतले स्थानीय लोग पिछले आठ दिनों से भिलंगना क्षेत्र की लचर स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में आंदोलनरत है। मांग के समर्थन में वे प्रतिदिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखी में धरना कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं होने के

विरोध में शनिवार को उन्होंने पिलखी में प्रदर्शन कर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सांसद मालाराज्य लक्ष्मी शाह व विधायक शक्ति लाल शाह का पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि भिलंगना क्षेत्र के अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी बनी है। डॉक्टरों की तैनाती नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को हर बीमारी के उपचार के लिए श्रीनगर, देहरादून, ऋषिकेश जाना पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

कांग्रेस ने राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

देहरादून, उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25वीं वर्षगांठ को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शहीद स्थल कचहरी में राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार आज प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को ठगने का काम कर रही है। उन्होंने स्थाई राजधानी घोषित नहीं होने पर भाजपा सरकार को घेरा। उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25वीं वर्षगांठ को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष को प्रदेश भर में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम समन्वयक राजेन्द्र शाह ने शहीद स्थल कचहरी में राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि हम सभी शहीदों को शत–शत नमन करते हैं जिन्होंने इस आन्दोलन में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि अलग उत्तराखंड राज्य निर्माण का सपना आंदोलन के शहीदों की शहादत के कारण साकार हो पाया। उत्तराखंड राज्य शहीद आंदोलनकारियों की धरोहर है। उत्तराखंड राज्य आन्दोलन में मातृ शक्ति, छात्र शक्ति, युवा शक्ति ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। राज्य निर्माण आन्दोलन में मसूरी, खटीमा तथा मुजफ्फरनगर के गोलीकांड के शहीदों की बड़ी भूमिका रही है जिसने राज्य निर्माण आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाया।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com